ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-06-2024

जहानाबाद(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-06-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-06-26	2024-06-27	2024-06-28	2024-06-29	2024-06-30
वर्षा (मिमी)	20.0	25.0	20.0	35.0	25.0
अधिकतम तापमान(से.)	39.0	39.0	38.0	38.0	36.0
न्यूनतम तापमान(से.)	29.0	26.0	24.0	24.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	85	80	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	35	40	40	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	14	14	16	16	12
पवन दिशा (डिग्री)	120	110	80	70	90
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

• भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार जिले में दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता में वृद्धि होने का अनुमान है जिसके प्रभाव से 26-30 जून के दौरान जिले में बादल छाए रहने एवं कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने का अनुमान है। • अधिकतम तापमान 36-39 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 22-29 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है। • सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है। • पूर्वानुमान की अवधि में 15-16 किमी/घंटा की रफ्तार से पुरबा हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

जैसा कि इस सप्ताह में वर्षा होने की संभावना है, किसानों को सलाह दी जाती है की कद्दू वर्गीय फसल के खेत में जल निकासी की अच्छी व्यवस्था करें ताकि बारिश का पानी खेत में जमा न हो सके।

लघु संदेश सलाहकार:

आकाशीय बिजली से सुरक्षा हेतु "दामिनी" मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की अच्छी संभावना को देखते हुए खेतों में मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें। धान की बीजस्थली में जो बिचड़े 10 से 15 दिनो के हो गये हो, खर-पतवार निकाल कर तथा प्रति एक हजार वर्ग मीटर बीजस्थली के लिए 5 किलो अमोनियम सल्फेट अथवा 2 किलो यूरिया का उपरिवेशन करें। इस अवधि में अच्छी बर्षा की संभावना को देखते हुए धान की रोपनी में प्राथमिकता दें। वर्षा जल का उपयोग कर रोपनी के कार्य में प्राथमिकता दें। रोपाई पूर्व खेतों की तैयारी के समय कद्वा के दौरान मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए 30 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाश तथा अगात किस्मों के लिए 25 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाश के साथ 25 किलोग्राम

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	जिंक सल्फेट या 15 किलोग्राम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें। धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के 2-3 दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (3 लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (1.5 लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (3 लीटर दवा प्रति हेक्टर) का 500-600 लीटर पानी मे घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च-3, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल तथा संकर किस्में अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी0एस0एस0-267 अनुशंसित है। उन्नत किस्मों के लिए बीज दर 1 से 1.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा 200 से 300 ग्राम संकर किस्मों के लिए रखें। क्यारियों की चौड़ाई एक मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार 3-4 मीटर रखें। बीज को गिराने से पूर्व थायरम 75 प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
केला	केला की रोपाई करें। लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ-1 अनुशंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुशंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दूरी 2.1 मीटर है एवं बौनी जातियों में 1.5 मीटर रखें।
आम	आम के पौधों की उम्र (10 वर्ष से अधिक) के अनुसार फलन समाप्त होने के बाद अनुशंसित उर्वरको जैसे 15-20 किलोग्राम सड़ी गोबर की खाद, 1.25 किलोग्राम नेत्रजन, 300-400 ग्राम फॉसफोरस,1.0 किलोग्राम पोटाश, 50 ग्राम बोरेक्स तथा 15-20 ग्राम थाइमेट प्रति पौधा प्रति वर्ष के अनुसार उपयोग करें। जिससे अगले वर्ष पौधे फलन में आ सकें तथा उनका स्वाथ्य अच्छा बना रहें।